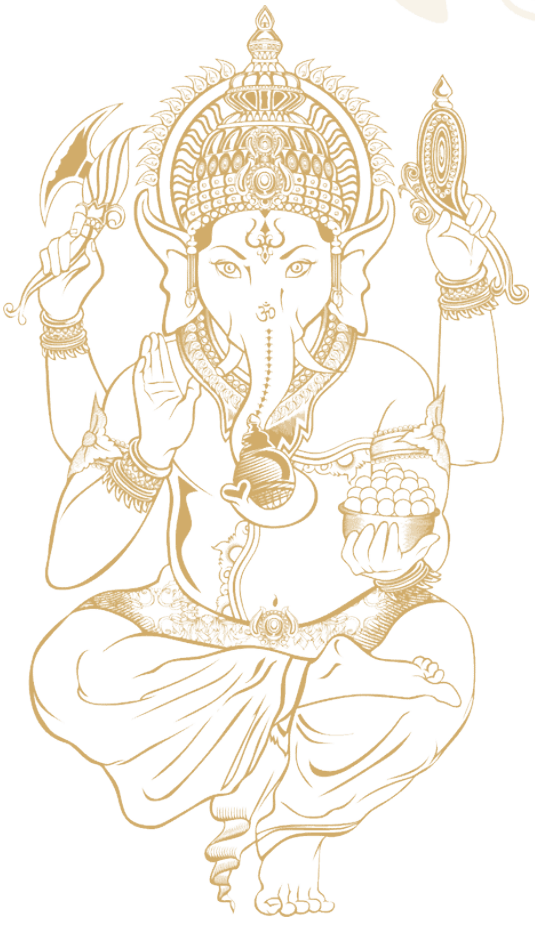

Poorvansh

Manju

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120845406

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/04/2000	जन्म तिथि	6-07/10/2001
सोमवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 22:45:00	जन्म समय	00:10:00 घंटे
घटी 41:51:51	जन्म समय(घटी)	44:28:11 घटी
India	देश	India
Chirawa	स्थान	Delhi
28:12:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:42:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:00:15	सूर्योदय	06:16:50
18:53:08	सूर्यास्त	18:01:20
23:51:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:36

विंशोत्तरी चन्द्र 1वर्ष 0मा 23दि राहु 10/05/2008 11/05/2026		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 0वर्ष 10मा 28दि राहु 05/09/2019 04/09/2037	
राहु	22/01/2011	13:34:01	मीन	बुध व	तुला	04:16:18	राहु	18/05/2022
गुरु	16/06/2013	19:10:19	मेष	गुरु	मिथु	20:39:15	गुरु	11/10/2024
शनि	22/04/2016	19:38:19	मीन	शुक्र	सिंह	25:21:16	शनि	18/08/2027
बुध	10/11/2018	23:38:37	मेष	शनि व	वृष	21:00:20	बुध	06/03/2030
केतु	28/11/2019	05:32:19	कर्क व	राहु व	मिथु	06:18:29	केतु	24/03/2031
शुक्र	28/11/2022	05:32:19	मक व	केतु व	धनु	06:18:29	शुक्र	24/03/2034
सूर्य	23/10/2023	26:23:44	मक	हर्ष व	मक	27:16:19	सूर्य	16/02/2035
चन्द्र	22/04/2025	12:35:54	मक	नेप व	मक	12:09:03	चन्द्र	17/08/2036
मंगल	11/05/2026	18:44:56	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	19:11:16	मंगल	04/09/2037

लग्न-चलित

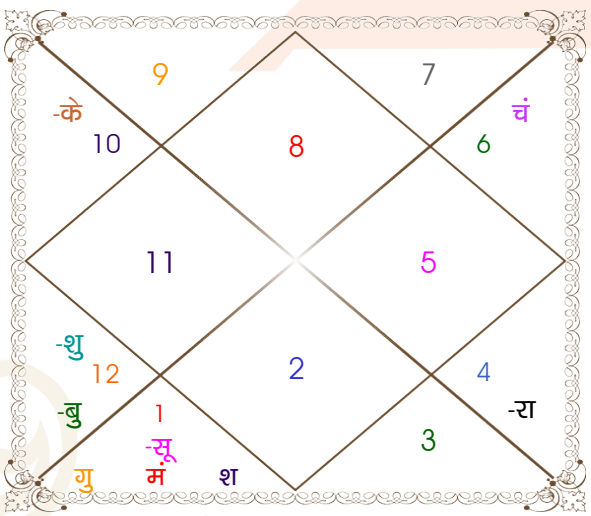

लग्न-चलित

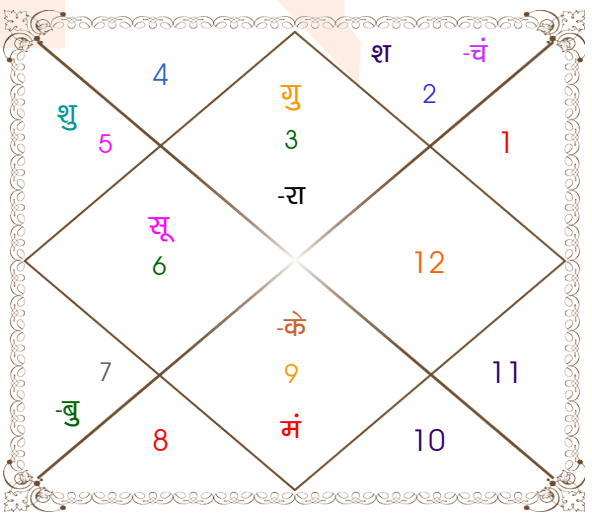

Pt.Yogendra Kumar Sharma
B-622Murlipra Scheme Jaipur
919314234454

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Poorvansh का वर्ग श्वान है तथा Manju का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Poorvansh और Manju का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Poorvansh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Manju मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Manju कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Poorvansh कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Poorvansh तथा Manju में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।